नास्टमा कम्प्युटर इन्जिनियरिङ, बिसिए, बिबिए र सिभिल इन्जिनियरिङका साथै अब MBA पनि।
नास्ट कलेज
धनगढी-४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१-५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक
भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका
पहुरा
PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो, विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २२ अंक २३५ वि.सं. २०८१ चैत ०४ गते सोम्मार थारु सम्वत (२६४८) [Monday 17 March 2025] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

लखिमपुर खिरीमे अन्तर्राष्ट्रिय होली उत्सव

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३ चैत । थारू जनकल्याण संस्था लखिमपुर खिरी थारू क्षेत्रमे अन्तराष्ट्रिय होली उत्सव भव्य रूपसे मनैले बटै ।

संस्थाके अध्यक्ष छैलविहारी रानाके अध्यक्षतामे हुइल कार्यक्रमके प्रमुख अतिथी मनानीय न्यायधिस वीरेन्द्र सिंह यादव, विशिष्ट अतिथिमे पुर्व आइ जि पिएम डा. वि.पि. अशोक, अधिवक्ता प्रमोद सिह यादव, नेपाल रानाथारू समाजके पुर्व अध्यक्ष पदम राना, पुर्व महासचिब भक्तराज राना रहल रहिट ।

कार्यक्रममे सहभागीहुक्रे नेपाल भारतमे बसोबास करुइया रानाथारुहुकनके संस्कृति एक्के रहल ओरसे यिहीहे संरक्षण कैना हाते मालोके आवश्यकता रहल बटैलै ।

रानाथारू समुदायके सबसे भारी त्योहार होरी

रानाथारु समुदायके सबसे भारी त्योहारके रुपमे होरी त्योहार मनाजाइठ । यी त्योहार यैसिक भारी हो यी माघके पूर्णिमा होरीके आगमनसे शुरु हुके चैतके चरइामे होरी विदाइसम चल्न करठ । यी बीचमे होरी स्थापनासे खक्डेहरासम अठतिस् दिन लउण्डा लउण्डीहुक्रे होरी खेल्न करठै । होरी माघके पूर्णिमामे होरी स्थापना, फागु पूर्णिमामे होरी दहन, होरी पूजा, फागुके फगोहा ओ हटकना, खक्डेहरामे समापन ओ चैतके चराइँमे होरी विदाई करके मनाजाइठ । यी पर्व ओ संस्कार एक दुसरसंग अन्तरसम्बन्धित रहल बटै ओ रानाथारु समुदायमे यी त्योहार नम्मा समयसम चल्न हुइल ओरसे यी सबसे भारी त्योहारके रुपमे मनाजाइठ ।

मिथक ओ जनविश्वास रानाथारु समुदायमे होरी मन्ना परम्परा परापूर्व कालसे रहल पाजाइठ । यी हिन्दु धर्मसँग सम्बन्धित पौराणिक प्रसंगसँग जोरल पाजाइठ । विशेष होरीमे दुई पौराणिक प्रसंग अनुसार हिरण्यकश्यपके छावा पहिलाद (प्रह्लाद) विष्णुके भारी भक्त रहिट मने हिरण्यकश्यप स्वयम्आ अपनहे भगवान मन्ना करिट । उहाँ चाहिट की मोर छावा मोर गुणगान गाए, मोर पूजा करे मने प्रह्लाद भर विष्णुके गुणगान गाइट, हुकाने पूजा करिट ।

यी हेरे नैसेक्के हिरण्यकश्यप पहिलादहे मर्ना विविध उपाय अपनैलै मने नैसेक्लै । एकदिन अपने बहिनीया होलिकाहे विष्णु भक्त पहिलादहे मारे पठैलै । आगीसे नैमुना वरदान पाइल होलिका अपने भतिज्वाहे मर्ना कोखमे लेके फागु पूर्णिमाके दिन आगीमे चिर ओढके बैठबेर उ चिरके शीतलताके कारणसे पहिलाद बँच्छै ।

मने होलिका उहे आगमी जरके मुठी ओ उहे दिनसे प्रत्येक वर्ष फागु पूर्णिमाके दिन साँझ होलिका दहन करके सकारे ओकरे टिका लगाके असत्यउप्पर सत्यके विजयमे उत्सवके रुपमे होरी मनैना शुरु कैगिल । दुसर प्रसंग अनुसार द्वापरयुगमे भगवान श्रीकृष्ण फागु पूर्णिमाके दिन मथुरासे गोकुलसम गोपनीहुकनसंग रंगके साथ होली खेलल रहिट । उ दिनसे फागु पूर्णिमामे अविर लगाके होली मनाई लागल बा ।

अइसिक घर-घरमे मथुरासे होरी आइल जनविश्वास रहल पाजाइठ । असत्य जटरा शक्तिशाली बलशाली हुइलेसेफे एक दिन सत्यके आघे अवश्य हार हुइठ । फागु पूर्णिमामे आपसी रिसराग होलीकासँगे जलाके एकापसमे सद्भाव, माया प्रेमके सम्बन्ध कायम करटी सहयोग ओ विश्वास स्थापित करटी होरी खेल्ना जनविश्वासफे रहल पाजाइठ ।

होरीके स्थापना

माघ पूर्णिमाके दिन गाउँके कुलदेवताके भुँयया (देउठान) लग्गे कण्डा, काठी, टिटरो, मिठाई, भेँट चढाके विधिविधानके साथ होरी स्थापना करजाइठ । उ दिनसे जिन्दा होरी खेल्न सुरु हुइठ ।

होरी दहन

मंगरबाहेक और जौनफे दिन जैसिन अवस्था आइठ, ओस्टे साँझ या बिहान होरी दहन करजाइठ । होरी दहन करे पुरुष मनै होरी स्थापित ठाउँमे जाके चाकर या भलमन्सासे घर-घरसे उठाइल भेट (पूजा सामग्री) से पूजा करके होरीके पुत्ला जरैना करजाइठ । ओकरपाछे 'होरीमे आगी लागल होरीमे आगी लागल कहटी' जोर-जोर हल्ला करठै । आगी लगाके उहे आगी एक सासमे दगुरके पधनाके कुँवा या नलके खोल्टामे डरठै ।

होरी दहन करेबेर पहिले-पहिले एक ठो जिट्टी चिङगीफे जराजाए मने आजकाल्ह खुनके सट्टा सुपारी चढाजाइठ । पूजाके लाग लैगिल मिठाइ, पुरी उहे बाँटके खैठै मने फिर्ता नैलैजैठै ।

होरीके टीका

होरी दहनके दुसर दिन टीका रहठ । होरी जराइल ठाउँमे जाके ओम्ने केक्रो पटिया डारके ओकर टीका लगाजाइठ ओ ओकरे टीका एक दुसरके लिलहारमे लगाके होरीके शुभकामना साटासाट करजाइठ । लउण्डा मनै मतबरिया ओो लउण्डी मनै छैलाके रुपमे उहे टीका लगाके कुछ समयसम होरी खेल्ठै । ओकरपाछे डर भर गीत गैटी पधना या भलमन्साके घरमे आके होरी खेल्ठै ।

जिन्दा होरी ओ मरी होरी

होरी स्थापना करलठेनसे होरी दहन नैहुइटसम साँझ खाना खाके लउण्डा लउण्डी डंकाके तालमे गीत गैटी होरी खेल्न करठै, जिहीहे जिन्दा होरी कहठै कलेसे होरी दहनके दिनसे खक्डेहरासम खेल्ना होरीहे मरी होरी कहठै । होरीमे रामायण, महाभारतके कथामे आधारित गीत गैटी ठडौवाँ होरी, मतबरिया होरी, लोहकौवाँ होरी, सादा होरी, बधाइ होरी, खिचडी होरी, गडवाली होरी यी टमान मेरिक होरी खेल्ठै ।

होरीमे पूजापाठ

होरीमे पूजापाठ आ-अपन कुलदेवता अनुसार हुइना करठ । यी कुलदेवताके पूजा हो । कुल अनुसार पूजा फरक-फरक हुइना करठ ओ यी पूजा सक्कुहुनके घरमे भर नैहुइठ । जेकर कुलदेवता यी पूजा लेना करठै,ओकर केल पूज्न करठै । कुलदेवता अनुसार केक्रो जिन्दा होरी पूजन (होरी स्थापित करलठेनसे) करठ कलेसे कोई मरी होरी पूजा करठै । पूजामे चिनी डारके बनाइल पुरी जोडामे, घिउ, पानीसे अगियारी करठै मने केक्रो घरमे जुठो परल या जेकर घरमे कुल देवता नैहो अर्थात जे सरकार भगत बटै, ओइने यी पूजा नैकरठै ।

खक्डेहरा

होरी दहनके आठौँ दिनमे हप्ताके जौन बार परलेसेफे खक्डेहरा पर्व मनाजाइठ । खक्डेहराके दिन बिहान पाँच बजेओर कच्चे माटीक सात-सात गोली (मटेंग्रा) एक-एक ठो सिन्कामे गुहठै । माटीक तीन ठो दिया बनाके एक दियामे सात मेरिक नाज (जस्टे चना, केराउ, लाही, मसुरी आदि) धरठै । दुसर दियामे कपास धरठै ओ टिसर दिया बरठै । ठोर ठोर बैठाबन्नी (सिन्का रहल बहरनी) धारके एक खिप्टामे (बाँकी ३ पेजमे)

लागु औषधसहित ६ जाने पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३ चैत । कैलाली ओ कञ्चनपुरके अलग अलग ठाउँसे लागु औषधसहित ६ जाने पक्राउ परल बटै ।

कैलालीके धनगढी उ.म.न.पा. ३ त्रिनगर ब्यारेलस्थित भारतसे नेपालओर अइटी रहल सु.प.प्र. ०१-०१२ प ५४७५ नम्बरके मोटरसाइकलहे शंका लागके चेकजाँच करेबेर चालक वडा नम्बर ६ बैठना बर्ष २८ के आदित्य रानाहे २ ग्राम ८६० मिलिग्राम लागुऔषध खैरो हेरोइनसहिट पक्राउ कैगिल बा । जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलालीसे खटल प्रहरी टोली नियन्त्रणमे देके ठप अनुसन्धान कैटी रहल बा ।

ओस्टेक लागु औषध खैरो हेरोईनके कारोबार हुइटी रहल कना गोप्य सूचनाके आधारमे जिल्ला कैलाली, घोडाघोडी न.पा. ७ हरिनगर स्थित बर्ष २५ के लक्ष्मण चौधरीके घर कोठा खानतलासी करेबेर १५ ग्राम ६० मिलिग्राम लागुऔषध खैरो हेरोइनसहित घरधनी लक्ष्मण चौधरी, उहे ठाउँ बैठना २५ के राम चौधरी, बर्ष २७ के दुर्गेश चौधरी ओ जिल्ला रुपन्देही, बुटवल उप-महानगरपालिका ३ बैठना बर्ष ३५ के रमेश कार्की समेत चारु जनहनहे उ पदार्थ सहित इलाका प्रहरी कार्यालय सुखड ओ अस्थायी प्रहरी पोष्ट हरिनगर, कैलालीसे खटल संयुक्त प्रहरी टोली नियन्त्रणमे लेके ठप अनुसन्धान करटी रहल जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलालीके प्रवक्ता कविन्□सिह बोहरा जनैलै ।

ओस्टेक करके कञ्चनपुरके दोधारा चाँदनी न.पा.१ पशुपति टोल शिव मन्दिर लग्गेसे ३.६७० ग्राम लागुऔषध खैरो हेरोइनसहित बेदकोट न.पा.७ बैठना बर्ष २१ के प्रभाष शाही पक्राउ परल बटै ।

नेपाल प्रहरी प्रदेश कार्यालय महेन्द्रनगर, लागु औषध नियन्त्रण ब्युरो शाखा कार्यालय महेन्द्रनगर, इलाका प्रहरी कार्यालय दोधारा चाँदनी ओ अस्थायी प्रहरी पोष्ट झोलुंगे, कञ्चनपुरसे संयुक्त रुपमे खटल प्रहरी टोलीसे नियन्त्रणमे लेके ठप अनुसन्धान करटी रहल बा ।

स्कारपियो दुर्घटनामे चालकके मृत्यु

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३ चैत । कैलालीके गोदावरी न.पा.३ मालाखेती चोक स्थित पुर्ब पश्चिम राजमार्गमे स्कारपियो दुर्घटना हुके चालकके मृत्यु हुइल बा ।

अत्तरियासे महेन्द्रनगरओर जैटी रहल बा १७ च ९६४५ नम्बरके स्कारपियो शनिच्चर रात पौन ९ बजे अपनही अनियन्त्रित हुके सडकसे अन्दाजी ५० मिटर दक्षिणओर रहल पक्की घरके भित्तामे टक्राके चालक जिल्ला कञ्चनपुर, कृष्णपुर न.पा.४ बैठना बर्ष ३६ के सुदिप राना घाहिल हुके उपचारके लाग पश्चिम अस्पताल अत्तरिया हुइटी सेती प्रादेशिक अस्पताल धनगढी लैगिलमे उपचारके क्रममे राति ९ बजके २० मिनेटमे मृत्यु हुइल जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलालीके प्रवक्ता कविन्द्रसिंह बोहरा जनैलै ।

डढेलो नियन्त्रण गरौं, जीवन र वन जोगाऔं ।
➢सुख्खा मौसममा डढेलो लाग्न सक्छ,
➢डढेलोले मानीस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ,
त्यसैले डढेलोबाट जोगिनः
➢ वन क्षेत्रमा आगो नबालौं,
➢सुख्खा घाँस जस्ता ज्वलनशील पदार्थहरू सुरक्षित रूपमा व्यवस्थापन गरौं,
➢चुरोट, बीडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
➢डढेलो देखिएमा तत्काल स्थानीय प्रशासनमा खबर गरौं,
➢डढेलो विरुद्ध समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं,
➢बन संरक्षणमा योगदान दिऔं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग
उपचार हुने रोगहरू
• उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
• सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
• मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
• छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
• ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
• सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श
२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार
ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन
धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.
(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
कानूनी सल्लाहकार : **अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)
प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

एसइईमे नियमित विद्यार्थी घट्लैं

बैतडी, ३ चैत । माध्यमिक शिक्षा परीक्षा (एसइई) मे नियमित परीक्षा डेना विद्यार्थी घटल बटैं ।

तथ्यांक अनुसार गैल वर्षके तुलनामे यी वर्ष ५७० जाने नियमित विद्यार्थी घटल बटैं । २०८० सालमे चार हजार ८७७ जाने नियमित परीक्षार्थी रहलमे यी वर्ष घटके चार हजार ३०७ जाने नियमित परीक्षामे सहभागी हुइटैं ।

शिक्षा विकास तथा समन्वय एकाइ बैतडीके तथ्यांक अनुसार जिल्लाके २७ ठो परीक्षा केन्द्रसे नियमितओर चार हजार ३०७ जाने ओ एक हजार ५५ जाने ग्रेड वृद्धि कैके पाँच हजार ३५८ जाने विद्यार्थी एसइईमे सहभागी हुइटैं ।

यिहे चैत ७ से १९ गतेसम एसइई सञ्चालन हुइना शिक्षा विकास तथा समन्वय एकाइ कार्यालय बैतडीके परीक्षा फाँटके रामचन्द्र भट्ट बटैलैं । उहाँ हरेक वर्ष नियमित परीक्षा डेना विद्यार्थीके संख्या घटल बटैलैं । नियमितओर विद्यार्थी संख्या घटल फेन अनुत्तीर्ण दर भर बहल बा ।

तथ्यांक अनुसार २०७८ सालमे नियमित परीक्षा डेना विद्यार्थी पाँच हजार ३६१ जने रहैं । अस्टेक २०७९ सालमे पाँच हजार १८४ जाने, २०८० सालमे चार हजार ८७७ जाने ओ २०८१ सालमे चार हजार ३०७ जाने नियमित परीक्षार्थी रहल बटैं । गैल वर्ष अनुत्तीर्ण हुइल एक हजार ५५ जाने विद्यार्थी २०८१ मे पुन: परीक्षा डेहैटैं । बसाइँसराइ ओ बेरोजगारी जस्टे कारणसे नियमित परीक्षा डेना विद्यार्थी घटल पाइल बा ।

परीक्षा केन्द्रमे प्रश्नपत्र ओ कापी पुगल

माध्यमिक शिक्षा परीक्षा (एसइई) के तयारी पूरा हुइल बा । जिल्लाके २७ ठो परीक्षा केन्द्रमे नियुक्त हुइल केन्द्राध्यक्षहे शुकके रोज एकदिने अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन करल रहे ।

परीक्षाहे मर्यादित, शान्तिपूर्ण ओ भयरहित वातावरणमे सञ्चालन करना आवश्यक सब तयारी पूरा कैके केन्द्राध्यक्षहे प्रश्नपत्र ओ कापी हस्तान्तरण करल शिक्षा विकास तथा समन्वय एकाइ कार्यालय बैतडीके प्रमुख नरेन्द्रप्रसाद अवस्थी बटैलैं । उहाँ प्रमुख जिल्ला अधिकारीसहितके उपस्थितिमे माध्यमिक शिक्षा परीक्षा उत्तीर्ण समन्वय समितिके बैठक बैठ्के सम्बन्धित परीक्षा केन्द्रमे प्रश्नपत्र ओ कापी पठाइल बटैलैं ।

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ५ कित्ता नं. १४६४ क्षेत्रफल ४८१.३६५ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्न घरधनी श्री दीपाकुमारी बमले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईंको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जगाको चार किल्लाको विवरण

पुर्व: सरस्वतीकुमारी ऐर र गीता चौधरी — पश्चिम: पदमकुमारी मल्ल

उत्तर: सडक — दक्षिण: सडक

धनगढी उपमहानगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १७,३००/- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अन्त्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लागनबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

लोकतन्त्र ओ राजतन्त्रमे भिन्नता

विचार

✍ प्राडा. शान्तिकृष्ण अधिकारी

लोकतन्त्रउप्पर टमान आरोप लगैटि लोकतन्त्रके विरुद्धमे आवाज उठैना ओ नेपालसे अस्तित्वविहीन होसेकल राजतन्त्रके गुनगान गैना चरित्र देखा परे लागल बा यद्यपि यी दुई तन्त्रके बिचमे तुलना हुइ नैसेकि । नेपालमे लोकतन्त्र स्थापना हुइलपाछे डेखाइल कुछ विकृतिहे औँल्याइटि राजतन्त्रके आडमे मौलैना पाइल कुछ ओ लहैलहैमे लागके हौसल सडकमे उत्रल बा । कौनो तन्त्रके महत्व का हो ओ कौनो तन्त्रसे मुलुकमे कैसिन प्रभाव परठ कना मूल्यांकन नैकैके लोकतन्त्रहे अफापसिद्ध प्रमाणित करना कस्सलके पाछे बिगतमे स्वतन्त्रताके लाग लरल कुछ लोकतन्त्रके हिमायती हलेसे फेन मिसिन पुगल पाजाइठ ।

सत्य अस्तित्वमे रहिके असत्य अप्नही जन्मठ, मजा हुइलपाछे नैमजा फेन हुइजाइठ । इमानदारके खोजी करके बेइमान अवश्ये मिलठ । सुशासनके विपरीत भ्रष्टाचार आइठ । काम करके प्राप्त हुइना परिणाम सफलता किल हुइल कना नैरहठ, असफलताके डोरासे घेरल रहठ । टबेमारे लोकतन्त्र सर्वोत्तम व्यवस्था मन्लेसे फेन उहिनहे कार्यान्वयनके चरणमे लैजाके कुछ नकारात्मक परिणाम देखा परल रहठ । मजा परिणामके हेक्का नैढैके ओ नैमजामे किल दृष्टि जैना मानवीय चरित्र अनुसार अब्बे नेपालके लोकतन्त्रउप्पर प्रश्न उठैना प्रयास करल बा ।

व्यवस्था सर्वोत्तम हो कनामे सबके एकमत जस्टे डेखाइठ मने व्यवस्थाहे सबल बनैना सक्रिय रहेपरना सत्तासीनके क्रियाकलापमे विमति बा । विशेषत: सुशासन कायम करे नैसेक्के भ्रष्टाचारसे जर गारके किल नैहोके यकर हाँगाबिँगासे मुलुके फफके ढाकल अनुभूति हुइल रहल ओरसे लोकतन्त्र स्थापनाके लाग लडलमे उत्साह डेखाइ छोरल स्वीकार करे परठ । भ्रष्टाचार जत्रा बहल बा, यकर नियन्त्रण ओ नियमनके लाग ओत्रे आवाज उठल बा ओ आवाज मुखरित करना अवसर यिहे लोकतन्त्रसे डेलेसे फेन आत्मसात् करे परठ ।

अब्बे सरकारसे पूर्वपदाधिकारीहे आजीवन भत्ता तथा अन्य सुविधा डेना तयारी करल समाचार बाहिरल बा । राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमन्त्री, प्रधानन्यायाधीश, सभामुख, राष्ट्रिय सभाके अध्यक्षलगायतके पदमे एक चो बैठलहे उहाहुक्रे बचटसम घर, घर मर्मत, डेराभाडा, गाडी, इन्धन सुविधा, सवारी चालक, सुरक्षाकर्मी, भान्से आदि जीवनके लाग चहना सब डेना कानुन बनल बा कना सुन्टि किल व्यापक विरोध हुइल बा ओ आब यी कानुन बन्न सायद सम्भव हुइ ।

राजतन्त्रमे फेन अस्टे नैचाहल काम कत्रा हुइल रहे त्र मने ओहेबेला आवाज उठाइ नैपाजाए ओ पूर्ण सुशासन कायम हुइल जस्टे डेखाइठ । भत्ताके किल बाट करलेसे राजा, रानी, युवराज किल नैहोके अधिराजकुमार, अधिराजकुमारी, शाहज्यादा, शाहज्यादी आदि सब राज्यकोषसे सुविधा लेना करैं । सुविधा किल नैहो कि दरबार सम्बद्ध रहल यी सबहे जनता स्वस्ति टक्रयाइपरना ओ उहाँहुकनके आदेशहे जो हुकुम कटि मानेपरना अवस्था रहे । यिहिनहे अति हुइल कहिके कोइ विरोध करे नैपाए ओ यिहिनहे स्वर्णयुग कहिजाइठ ।

पञ्चायतकालमे नेपालके कत्रा मन्दिरके कत्रा प्राचीन मूर्ति बिदेसल कोइ हेक्का ढरटि ओ लोकतन्त्र स्थापना हुइलपाछे यी बेचल मूर्ति नेपाल भित्रना क्रम बहल बा कलेसे फेन मतलब नैकरना लोकतन्त्रप्रतिके अन्याय हो । पोखरामे हुइल नमिता सुनिता काण्ड उबेला व्यापक चर्चित हुइल मने ओकर के-के संलग्न रहे कना अनुसन्धान नैकैके सामसुम हुइल । अस्टेक काण्ड सुदुरपश्चिममे घटल ओ उ निर्मला पन्त काण्ड नामसे चर्चित बा । यम्ने फेन सत्ताके व्यापक दुरुपयोग करगिल कना आरोप लागल ओ उ काण्डके सब मतियारहे कारबाही करे परठ कना आवाज आइल बा । उ काण्डमे संलग्न अभिन सुखसे निदाइ सेकल नैहो कना अनुमान करे सेक्जाइठ ।

> गरिबीके रेखाटरे रहल नेपाली राजाके प्रत्यक्ष शासनकालमे कुछ रहे ? साक्षरता दर कैसिन रहे ? कुछ स्वास्थ्य चौकी रहे ? माध्यमिक विद्यालय पहिले कत्रा रहे ओ अब्बे कत्रा बा ? मातृ मृत्युदर, शिशु मृत्युदरमे कैसिन परिवर्तन आइल बा ? नेपालीके औसत आयु का अप्नही बह्ल हो ? सडक सुविधा कैसिन रहे ? आदि आदि प्रश्नके उत्तर नैखोके केवल कुछ भ्रष्टाचारके काण्डहे उजागर करटि लोकतन्त्रहे अफाप घोषणा करनाहे डेना सेक्ना उपमा का हुइ टे ? अपनउप्पर शासन करना अपन छन्ना व्यवस्था फ्याँके वंश परम्पराके आधारमे शासक छन्ना व्यवस्थाहे किमार्थ उपयुक्त ठहऱ्याइना मिल्ना जस्टे नैलागठ । महाभारतमे उल्लेख हुइल जस्टे राजा भरतसे अपन अयोग्य सन्ततिहे राज्य नैडेके सर्वसाधारणसे राजा चुनल जस्टे राजतन्त्र अब्बे आन्दोलनकारीसे खोज्लेसे फने नैहो । पारस शाहसे नेपालके समृद्धि, जनताके समुन्नति ओ समग्र विकासके परिकल्पना आमनागरिकसे करठैं कना पशुपतिनाथके भरोसामे रहनाबाहेक का विकल्प रहि ?

लोकतन्त्रमे भ्रष्टाचार हुइल नैहो कना नैहो मने भ्रष्टाचारी ढिलहिले कारबाहीके दायरामे आइल डेखाइल बा । पञ्चायतकालके ३० वर्षे अवधिमे भ्रष्टाचारके आरोपमे के जाने कारबाहीमे परल ? भ्रष्टाचारके सम्बन्धमे कत्रा समाचार प्रकाशित हुइल ? भ्रष्टाचार निर्मूल परना कैसिन कैसिन संस्था स्थापित हुइल ? अइसिन प्रश्नके उत्तर नैखोज्ना मने लोकतन्त्रमे पलाइल कुछ ऐंजेरमे किल दृष्टि डेना हो कलेसे सयौं सहिद ओ हजारौं योद्धाके योगदानसे प्राप्त लोकतन्त्रहे कमजोर बनैना सिवाय कुछ नैहो ।

अब्बे लोकतान्त्रिक कालमे हुइना करल अलोकतान्त्रिक काम ओ कुशासनके पर्यायहे सर्वाधिक चर्चामे नानल बा । लोकतन्त्रके नेताहुक्रे टे अपने कौनो गलत काम करलेसे अप्नही जेल कोच्ना कानुन बनैले बटैं । अपनविरुद्ध मुद्दा डारे सेक्ना अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग स्थापना करले बटैं । पाछेक समयमे उपप्रधानमन्त्री, गृहमन्त्री जैसिन पदमे आसीन हुइलहे मुद्दा खेपल ओ जेल बैठल उदाहरण हम्रे देखल बटि । निजामती प्रशासनमे हैकम जमाके बैठल भ्रष्टाचारके मुद्दामे कैदी जीवन बिटैना बाध्य हुइलेसे फेन केको छिपल नैहो । का राजतन्त्रमे अइसिन देख्न पाइल रहे ?

राजतन्त्रमे टे राणासे बनाइल नारायणहिटी दरबारहे कबु राजाके निजी सम्पत्ति बनैना टे कबु सरकारहे बेच्ना काम कैचो हुइल । राज्यके पैसासे किन्ना, राज्यके पैसा लेके बेच्ना ओ फेन नि:शुल्क अप्ने बनैना कार्य कौनो सुशासनके कडीभित्तर परठ जस्टे लागठ । लोकतन्त्रके वर्तमान राष्ट्रपतिसे शीतल निवासहे अपन नाममे नामसारी करना ओ पाछे पैसा लेके सरकारहे बेच्ना सोच्न फेन नैसेकैं । लोकतन्त्र ओ राजतन्त्रके बिचके फरक थाहा पैना यिहिनहे दृष्टान्त बनाइ पुगठ ।

कम्युनिस्ट पार्टी ठिक कि लोकतान्त्रिक पार्टी कना विवादहे फेन नेपालके कम्युनिस्ट पार्टीसे लोकतन्त्रहे आत्मसात् कैके एक दिशा प्रदान करसेकल बा । टबेमारे फेन राजनीतिक व्यवस्थामे लोकतन्त्र नेपालके लाग सर्वाधिक उपयुक्त प्रणाली कना सिद्ध होसेकल बा । यी व्यवस्थाके विकल्प औरे कौनो हुइ नैसेक्ना विश्वव्यापी रूपमे प्रमाणित हुइलपाछे यकर विकल्पमे राजतन्त्रहे डेखाइल कलेक आधुनिक विकसित विश्वहे त्यागके ढुंगे युगओर जैना प्रयाससिवाय कुछ नैहो । स्वतन्त्रताहे परित्याग करटि निरंकुशताहे स्वागत करना हो ।

विसं १९०३ सम नेपालमे राजतन्त्रके निरंकुश शासन रहे । राजाके प्रत्यक्ष निर्देशनमे मुलुकके शासन प्रशासन सञ्चालन हुइना करठ । प्रधानमन्त्रीसे तल्ला तहके कर्मचारीसम सब राजा वा दरबारके निर्देशनमे नियुक्ति वा बरखास्त हुइना करैं । अइसिन शासनमे राजा, रानी ओ दरबारियाके आन्तरिक कलहके फाइदा उठैटि राजपरिवारहे दरबारभित्रे नजरबन्द जस्टे ढैके अपनहे श्री ३ के उपाधि डेटि जंगबहादुर कुँवरसे विसं १९०३ से शासन चलाइ लागल रहे । औरे कुँवर ओ क्षेत्रीसे अपनहे फरक देखैना कुँवर थर फेँक्के राणा ढरल ओ १०४ वर्षसम शासन चलैलैं । यम्ने औरे कोइ दोषी नैरहे, दोषी रहे टे राजपरिवारके सदस्य रहे । राजा ओ राणा दुनु मेरिक तानाशाही प्रशासन सञ्चालन करल सबहे विदित बा ।

खोपीमे बन्द होके राजपरिवारहे विसं २००७ मे जनआन्दोलनमार्फत जनता खोपीसे बाहिर नानल । गद्दी छोरके भारतीय दूतावासमे शरण लेटि भारत पुगके शरण लेहल राजा त्रिभुवनहे नेपाली कांग्रेसके नेतृत्वमे सम्पन्न जनआन्दोलनसे मुलुकमे फिर्ता नानल ओ श्रीपेच पहिन्ह्इना पुन: गद्दीमे बैठाइल । राणाशासन फेँक्के जनताके शासन आरम्भ करना जनआन्दोलनके म्यान्डेटहे कुल्चल राजा त्रिभुवनसे समेत संविधान सभाके चुनाव नैकराइल । मौका पैठि किल जनचाहना कुल्चना क्रम राजा त्रिभुवनसे आरम्भ हुइल रहे ।

त्रिभुवन अपन संवैधानिक राजा बैठ्ना मञ्जुर रहल बटैटि जनताहे आश्वासनमे भुलैना बखत उहाँक मृत्यु हुइलपाछे राजा बनल महेन्द्र टे जनताके गुन बिस्राके गद्दी फिर्ता करैना जनताउप्पर प्रहार करे पुगल । जनतासे चुनल जनप्रिय, विकासप्रेमी, दूरदर्शी लोकतान्त्रिक नेता विश्वेश्वरप्रसाद कोइरालाहे सेनाके सहयोगसे प्रधानमन्त्री रहल बखत गिरफ्तार करलैं । कोइरालाके साथमे टमान नेताहे जेलमे ढरगिल । आमनागरिकके स्वतन्त्रता खोसल ओ जनताउप्पर भारी विश्वासघात करगिल । राजा महेन्द्र उ कदम चालल विसं २०१७ सालके पुस १ गतेहे लोकतन्त्रवादी कालो दिनके रूपमे उल्लेख करले बटैं ।

महेन्द्र पञ्चायती निरंकुश शासन व्यवस्था आरम्भ करलैं । यिहे शासन व्यवस्था नेपालमे ३० वर्ष चलल । लोकतन्त्रहे मिथ्या आरोप लगैना ३० वर्षमे एकदम विकास हुइल ओ सुशासनके पराकाष्ठा रहल दुहाई डेहल बा । राजा महेन्द्र कुछ योजना नन्ले रहैं ओ कुछ आरम्भ करलेसे फेन रहैं । उहाँक अधिकांश योजना बिपी कोइराला प्रधानमन्त्री हुइल बखत तयार पारल योजनाके आधारमे निर्माण हुइल रहे, कलेसे अब्बे कुछहे अपाच्य हुइना फेन सेक्नो मने अधिकांश इतिहासके अध्येताके यम्ने सहमति रहल फेन डेखाइठ ।

बिपी कोइराला प्रधानमन्त्री हुइटि किल १०९ निर्वाचन *(बाँकी ३ पेजमे)*

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी

केभी मासु पसल

बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे

मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५

प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८

बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२

होटल
डिभोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, बिद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

अध्ययन कृषि प्रविधि, इलम स्ट्रबेरीखेती

दाङ, चैत ३ गते । पढ्हाइ कृषि प्राविधिक । व्यवसाय स्ट्रबेरीखेती (भुइँऐसेलु) । पढाइ ओ काम मिललपाछे कैलालीके किसान दशरथ साउँदके घोराहीमे रहल स्ट्रबेरीखेती फस्टाइल बा । घोराही उपमहानगरपालिका–१५ भरतपुरमे रहल उहाँक स्ट्रबेरीखेतीमे कपिलवस्तुके भाष्कर पंगेनी साथ डेले बटैं ।

स्ट्रबेरीखेतीमे प्राविधिक पक्ष साउँद अप्नही हेरठैं । तीन वर्षआघे स्ट्रबेरीखेतीमे लागल २६ वर्षे उहाँ गैल वर्ष किल १८ लाख बराबरके स्ट्रबेरीके कारोबार हुइल बटैलैं । "गैल वर्ष ११ लाख टे बचत हुइल," उहाँ कलैं, "अब्बे दैनिक ७० किलोसे ढेर बिक्री हुइल बा ।" उहाँक अनुसार यी वर्ष हालसम चार लाखसे ढेर स्ट्रबेरी बिक्री हुइल बा ।

साउँद १५ कट्ठा जग्गा भाडामे लेके स्ट्रबेरीखेती करना हो । उहाँ स्ट्रबेरी प्रतिकिलो खुद्रामे सात सय ओ थोकमे पाँच सयमे बिक्री हुइल बटैलैं । उहाँ स्ट्रबेरी दाङसहित बुटवल, नेपालगन्ज ओ धनगढीलगायत ठाउँमे पठैना करल सुनैलैं ।

किसान साउँदले कलैं, "कृषि प्रविधिसँग सम्बन्धित विषय अध्ययन करलपाछे यम्ने कुछ करि कना सोचसे कृषि फार्म स्थापना कैके स्ट्रबेरीखेती सुरु करल हुँ, अब्बे यिहिनसे मजा आम्दानी हुइल बा ।" परम्परागत कृषिमे प्रविधिकसे प्रयोगसे सफलता मिलल उहाँ बटैलैं । घोराहीमे किल नैहो, साउँद कपिलवस्तुमे १२ कट्ठामे ओ कैलालीमे १० कट्ठामे फेन व्यावसायिक रुपमे स्ट्रबेरीखेती करटि बटैं ।

स्ट्रबेरी फल स्वादिलोसँगे पौष्टिक गुणसे फेन मजा फल मानल ओ बिक्रीके लाग समस्या नैहुइना साउँदके बुझाइ बा । उहाँ कलैं, "सुरुमे बिरुवा नान्के, सिँचाइलगायतमे सात लाख ढेर खर्च हुइल बा । भदौके अन्तिमओर लगाइल बिरुवासे अब्बे उत्पादन डेहल बा, बजारके लाग फेन कौनो समस्या नैहो ।" उहाँक अनुसार कुल उत्पादनके ४० प्रतिशत दाङमे किल बिक्री हुइल उहाँ बटैलैं ।

"स्ट्रबेरी चिसो ठाउँमे हुइनामध्येमे परठ," उहाँ कलैं, "आजकलके समय मजा रहठ ।" जिल्लामे पाछेक समय व्यावसायिक रूपमे यकर खेती करना किसानके संख्या बढ्हे लागल उहाँ बटैलैं ।

लोकतन्त्र ओ राजतन्त्रमे...

क्षेत्रमे प्राथमिक विद्यालय ओ स्वास्थ्यचौकी स्थापना करना निर्णय करल रहे । नेपालमे शिक्षा ओ स्वास्थ्यके आधार ओहे निर्णयसे खडा हुइल रहे । जनताहे शिक्षित बनाइ परठ ओ आधारभूत स्वास्थ्यके अधिकार पाइ परठ कना मान्यता ओहेबेलाके सरकारसे रहल रहे । राजा महेन्द्र लोकतन्त्रमे विकास सम्भव नैहो कना तानाशाही व्यवस्था सुरु करलेसे फेन पञ्चायत व्यवस्थामे हइल विकास ओ अब्बे टमान आरोपसे सुसज्जित नेतासे करल विकास तुलना करना हो कलेसे फेन लोकतन्त्र अनिवार्य डेखाइठ ।

पञ्चायतकाल फेन ३० वर्ष चलल ओ प्रजातन्त्रके पुनर्स्थापनापाछेक विसं २०४८ से सरकारसे गणना कैके लोकतान्त्रिक पद्धतिके शासन व्यवस्था चलल फेन ३० वर्ष हुइल बा । यी अवधिभित्रके तीन वर्ष राजा ज्ञानेन्द्र खाडेहल ओ यकर कारण मुलुकमे लोकतन्त्र चलायमान हुइना पूरे पाँच वर्ष लागल । अइसिके हेरके लोकतान्त्रिक व्यवस्था अन्तर्गत टमान राजनीतिक दलसे करिब २५ वर्ष मुलुक हाँकल रहैं ।

गरिबीके रेखाटरे रहल नेपाली राजाके प्रत्यक्ष शासनकालमे कुछ रहे ? साक्षरता दर कैसिन रहे ? कुछ स्वास्थ्य चौकी रहे ? माध्यमिक विद्यालय पहिले कत्रा रहे ओ अब्बे कत्रा बा ? मातृ मृत्युदर, शिशु मृत्युदरमे कैसिन परिवर्तन आइल बा ? नेपालीके औसत आयु का अप्नही बढ्हल हो ? सडक सुविधा कैसिन रहे ? आदि आदि प्रश्नके उत्तर नैखोके केवल कुछ भ्रष्टाचारके काण्डहे उजागर करटि लोकतन्त्रहे अफाप घोषणा करनाहे डेना सेक्ना उपमा का हुइ टे ?

अपनउप्पर शासन करना अपन छन्ना व्यवस्था फ्याँके वंश परम्पराके आधारमे शासक छन्ना व्यवस्थाहे किमार्थ उपयुक्त ठहऱ्यइना मिल्ना जस्टे नैलागठ । महाभारतमे उल्लेख हुइल जस्टे राजा भरतसे अपन अयोग्य सन्ततिहे राज्य नैडेके सर्वसाधारणसे राजा चुनल जस्टे राजतन्त्र अब्बे आन्दोलनकारीसे खोज्लेसे फने नैहो । पारस शाहसे नेपालके समृद्धि, जनताके समुन्नति ओ समग्र विकासके परिकल्पना आमनागरिकसे करठैं कना पशुपतिनाथके भरोसामे रहनाबाहेक का विकल्प रहि ?

साभारः गोरखापत्र दैनिकसे

अन्तर्राष्ट्रिय

गाजामे इजरायली हमलामे ९ जहनके मृत्यु

काठमाडौं, ३ चैत । गाजाके नागरिक सुरक्षा एजेन्सीसे शनिच्चरके रोज उत्तरमे इजरायली आक्रमणामे पत्रकारसहित नौ जहनके मृत्यु ह'इल बटैले बा । उ आक्रमणहे हमास नाजुक युद्धविरामके 'स्पष्ट उल्लंघन' कहिके निन्दा करले बा ।

"बेइत लाहिया सहरमे ड्रोनसे एक गाडीहे लक्षित करल ओ साथे ओहे क्षेत्रमे तोपखाना गोलाबारी करल परिणामस्वरूप नौ शहीद (अस्पताल) मे स्थानान्तरण करल बटैं, ओम्ने कुछ पत्रकार ओ अल-खैर चेरिटेबल अर्गनाइजेशनके कुछ कार्यकर्ता समावेश बटैं," नागरिक सुरक्षा प्रवक्ता महमुद बासल कलैं ।

हमाससे सञ्चालित प्यालेस्टिनी क्षेत्रके स्वास्थ्य मन्त्रालय इजरायली आक्रमणके कारण उत्तरी गाजा पट्टीके इन्डोनेसियाली अस्पतालमे गम्भीर मामिलासहित नौ जाने शहीद ओ टमान घाहिल हुइल रिपोर्ट करले बा ।

"सेना दुई आतंकवादीहे आक्रमण करल, एक जाने ड्रोन सञ्चालन करले रहैं जे बेइत लाहिया क्षेत्रमे आइडिएफ सैनिकहे खतरा निम्त्याइल रहे," इजरायली सेना एक वक्तव्यमे कले बा, "पाछे टमान अतिरिक्त आतंककारी ड्रोन सञ्चालन करना उपकरण संकलन करल ओ एक गाडीमे प्रवेश करल, आइडिएफ आतंककारीहे प्रहार करल ।"

आक्रमणपाछे हमास इजरायलहे गाजा युद्धविराम सम्झौता उल्लंघन करल आरोप लगाइल ।

"कब्जाकारी (इजरायल) पत्रकार ओ मानवीय कार्यकर्ताके समूहहे लक्षित कैके उत्तरी गाजा पट्टीमे एक भयानक नरसंहार करले बा, यी युद्धविराम सम्झौताके स्पष्ट उल्लंघन हो," हमास प्रवक्ता हाजेम कासिम एक वक्तव्यमे कलैं ।

गाजामे हमास-सम्बद्ध मिडियाके निर्देशक इस्माइल थवाब्तेह स्थानीय फोटो पत्रकार 'बेइत लाहियामे रमदानके भोजन टेबलके छवि खिच्न करना ड्रोन प्रयोग करल' बेला मारल बटैलैं ।

उहाँक अनुसार उहाँहुक्रे उहाँहुकनके काम स्पष्ट रटिरटि फेन कब्जाकारीसे दुई हवाई आक्रमणमे प्रत्यक्ष लक्षित हुइल । इजरायल मार्चके सुरुसे गाजामे लगभग दैनिक हवाई आक्रमण करले बा । सेना कहलअनुसार विस्फोटक उपकरण रोप्न लडाकूहे लक्षित करल बा ।

आक्रमणके बावजुद ओ युद्धविराम विस्तार करना कौनो सहमति नैरलेसे फेन जनवरी १९ से हमाससँगके इजरायलके युद्धमे युद्धविराम टमान हदसम कायम बा ।

युद्धविरामके पहिल चरण मार्च १ मे समाप्त हुइल मने इजरायल ओ हमास दुनुसे पूर्ण युद्धमे अइनसे जोगल बा ।

लखिमपुर खिरीमे अन्तर्राष्ट्रिय...

(फुटल गाग्रकीक एक अंश) धारके साथमे एक लोटा पानीफे लैजैठै । गाउँके पधना या गाउँके भारी मनै जे पुर्खौंसे खक्डेहरा फोरना करठै, ओइने परिहारी (हरके तरेक भाग), घिउ लेके घरसे अइठै ।

जे-जे फुटाई जैठै, ओइनके घरसे एक जाने जे कुछफे दिया रहल उहे खिप्टा लेके 'आबओ रि अँधरी धुँदरी लँगडी लुली' कहटी गाउँके दक्षिणओर गाउँसे बाहर जैठै । गाउँके भारी मनै घर-घरसे गैल पूजाके समान एक ठाउँमे धारे लगैठै ओ सक्कु जाने उहाँ धारके दुरजैठै । एकजाने मुख्य मनै खक्डेहरा फुटाई लागलपाछे असामी पाछे लौटके नैहेरठै ओ उहेसे होरीके विदाई फे हुइठ । पुर्खा कहठै खक्डेहराके दिन जेकर घरमे खुशी आइठ, जस्टे कि घरमे बच्चा जन्मल, भैंसीनीय व्याइल अर्थात् मजा हुइल, उ उहे दिनसे खक्डेहरा फुटाई लग्ठै । ओर, खक्डेहराके दिन जेकर घरमे नैमजा घटना घटठ उ दिनसे खक्डेहरा फुटाई छोरठै । सक्कु जो खक्डेहरा नैफुटैठै ।

फगोहा ओ हटकना

फागुनमे फगोहाके विशेष महत्व रहठ । फागुमे फगोहा मग्ना ओ फगोहा डेना एक ठो संस्कार रहल बा । फगोहा दुई मेरिक चल्न करठ । पहिल होरी दहनसे खक्डेहरासम फगोहा मग्ना ओ डेना चलन रहल बा । होरी खेल्न लउण्डी विहान गाउँके भलमन्सा, प्रधान, पधना, चाकर गाउँक जन्नमन्नाके घरमे जाके फगोहा मग्न करठै ओ साँझ परलपाछे होरी खेल्न करठ । दुसरा नातामे भाटु, नन्दुइया ओ मित परुइया होरी दहनके दिनसे विषेश करके अपन साली, ठकुराइन, सरहज, सैनारहे फगोहा डेहे जैना चलन रहल पाजाइठ । ओस्टे हटकना कैना आपसी आत्मियता ओ सौहार्दताके लाग विशेष महत्व राख्ठ ।

पाहुनाके लाग आज मोर घरमे खानपिन बा कहटी अपन घरमे खानपिनके व्यवस्था बनैना हटकना हो । विशेष करके होरीमे अपन आफन्तहुकनहे अपन घरमे बोलाई मिठ-मिठ खैनाचिजसे स्वागत करजाइठ । विशेष जिहीसे फगोहा डेहल बा, उहीहे त अनिवार्य रहठ हटकना नैडेलेसे पाप लागठ कना मान्यता रहल बा । अचेल फगोहा डेना ओ हटकना खवैना परम्परामे भर कुछ कमी भर आइल विल्गाइठ ।

होरी विदाई

होरीके विदाई चैतके चराइँमे करजाइठ । चराइँ गाउँके पूजा हो । उ दिन गाउँके प्रत्येक घरेक मनै अन्दिके मिठा भात ओ विशेष मच्छीसहितके अन्य टिना पकाके संगे लैजाके गाउँके बाहेर जाके दिनभर ओहरे बैठै । साँझओर गाउँके भर्रा वा गुरुवासे पूजापाठ करसेकलपाछे सक्कु जाने होरी खेलके गाउँसे बाहेर 'आज होरी गई रे बलमु परदेश' कना गीत गैटी होरीहे पठाके घर लौटठै । उ दिनसे होरी फेर मथुरा जाइठ । यैसिक वर्ष दिनपाछे आइल होरी ओराइठ ।

डढेलोसे वनुवा जोगैना तयारी

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३ चैत । कैलालीमे वन क्षेत्रमे डढेलो लागे नैडेना वन कार्यालय तयारीमे जुटल बटै । गर्मी याममे डढेलो लागके वन क्षेत्रके विनाश हुइना करल बा । ओसिन घटना हुई नैडेना ओ हुगिलेसे डढेलो बुटाइक लाग तयारी करे लागल हो । कैलाली, कञ्चनपुरके डिभिजन वन कार्यालयसहित सरोकारवाला निकायसे टमान तयारी करटी रहल बटै ।

डिभिजन वन कार्यालय कैलालीके प्रमुख कृष्णदत्त भट्ट वन क्षेत्रहे डढेलोसे बचैना जिल्लास्थित सक्कु निकायमे उच्च सतर्कता अपनाइल बटैलै । उहाँ कुछ दिनभिटरे सामुदायिक वनसंग छलफल करके थप कार्य आघे बढैना उल्लेख करलै ।

चैतसे पानी नैपरटसम टमान ठाउँमे आगी लागके वन क्षेत्र तहसनहस हुइना करल बा । सुख्खा लम्बलमे झन ढेर क्षति हुइना करल बा । डढेलोके कारण विगतमे हुइल क्षतिहे मध्यनजगर करके सरोकारवाला निकायसे टमान तयारी करटी रहल बा ।

"अब हम्रे पातपतिंगर हटैना मेसिन ल्यन्ना तयारीफे करटी बटी", भट्ट कहलै "आगी फैले नैडेहक लाग सडक क्षेत्रके पातपितंगर सफा करजाइठ ।" अस्टे, सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह लगायतमे डढेलो नियन्त्रण दल बनाइल बा । डढेलो नियन्त्रणके लाग तालिम प्राप्त उ जनशक्तिहे अधिकतम उपयोग कैना जनाइल बा ।

वन क्षेत्रमे टमान सडक निर्माण हुइल बटै । वनमे बनल सडकसे अग्नि नियन्त्रण रेखाके काम कैना करल जनाइल बा । सडकमे रहल पातपतिंगर सफा करलेसे एक खण्डमे लागल डढेलो दुसर खण्डमे फैल्नासे जोग्ना बताजाइठ । प्रमुख भट्ट सरसफाइ करके वन क्षेत्रमे रहल सडकसे पातपतिंगर हटैना जानकारी डेलै ।

सुदूरपश्चिममे प्राकृतिक विपतमध्ये पहिल नम्बरमे आगलागी रहल बा । वन क्षेत्रसहित टमान ठाउँमे बर्सेनि आगलागी हुइटी आइल बा । वन क्षेत्रमे मानवीय ओ प्राकृतिक कारणासे आगालगी हुइना करल बा । वन जललपाछे ओम्ने घाँस, बोटबिरुवा सोत्तर हुइनाके साथे वन्यजन्तुहे नोक्सान पुग्न करल बा ।

मनै आगी लगाईबेर वा लापरबाही करेबेर डढेलो फैलके भारी क्षेत्रमे वन नोक्सान हुइना करल बटाजाइठ । ओस्टेक करके, कतिपय ठाउँमे चट्याङ परेबेरफे वन क्षेत्रमे आगी लग्ना करल बा । सुख्खा याममे पातपतिंगर सुखल कारण हाली आगी पकरना करठ । भीरपाखामे ठोरिक उप्परसे गिरल ढुंगा दुसर ढुंगासँग ठोक्केसेफे वन क्षेत्रमे आगी लागके डढेलो फैल्ना करठ । प्राकृतिक ओ मानवीय कारणसे वन क्षेत्रमे फैल्ना डढेलोके कारण हरेक वर्ष वनमे क्षति हुइना करल कारण वनहे डढेलोसे जोगाइक लाग तयारी सुरु करल डिभिजन वन कार्यालय कञ्चनपुरके प्रमुख रामविचारी ठाकुर बटैलै । उहाँ वन्यजन्तुके सिकार करेक लागफे मनै वन क्षेत्रमे आगी लगैना करल पाइल उल्लेख करलै । "मजा घाँस जामठ कहिकेफे आगी लगैना करल पाजाइठ", ठाकुर कहलै ।

उहाँक अनुसार कञ्चनपुरमे वनक्षेत्रमे लागल डढेलो नियन्त्रणके लाग दमकल, ट्र्याक्टर बटै । डिभिजन वन कार्यालयसे सामुदायिक वन, स्थानीय तह ओ सरोकारवालासँग मिलके प्रभावकारी रूपमे डढेलो नियन्त्रण कैना ठाकुरके कहाई बा । उहाँक स्थानीय तहसँग समन्वय करके डढेलो लागल स्थानमे तत्काल दमकल पठैना उल्लेख करलै । ओस्टेक करके, विगतमे निर्माण करल अग्नि नियन्त्रण रेखा सरसफाइ कैना, वन क्षेत्रमे गोडमेलके साथे झाडी सरसफाइ कैना जैसिन क्रियाकलापहे आघे बह्रैना ठाकुर बटैलै ।

उच्छृंखल समूहसे ५८ ट्रि गार्डमे क्षति

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३ चैत । कैलालीके धनगढी उपमहानगरपालिकामे बिरुवा संरक्षणके लाग धारल ५८ ट्रि गार्ड उखारके फेकल बा ।

धनगढी–दिपायल द्रुतमार्गअन्तर्गत धनगढीके ढुंगे बजारसे वडा नम्बर ११ के कार्यालयसमके खण्डमे राखल ट्रि गार्ड उखारके फेकल हो ।

उपमहानगरपालिकाके इन्जिनियर दिजराज भट्टके अनुसार हुर्कटी रहल रुखुवक टेलुवा टुरना करके ट्रि गार्ड फेकल बा । 'ट्रि गार्ड फेकल सूचना पाइलपाछे हमार टिम उ क्षेत्रमे पुगल रहे,' उहाँ कहलै, 'कुछ ट्रि गार्डहे उखारके कुछ दुरसम फेकल बा । कलेसे कुछ ओटरे ढलाइल केल बा । मदिरा सेवन करल उश्रृङखल समूहसे ओसिन करल हुइसेक्ठ ।'

यहोर धनगढीके मेयर गोपाल हमालके सचिवालयसे ट्रि गार्ड फेकुइया व्यक्तिबारे कौनो जानकारी हुइलेसे खबर कैना आग्रह करले बा । अपन घर आघे रहल बोटबिरुवाके संरक्षण एवं हेरचार करडेनाफे मेयर हमालके सचिवालयसे आग्रह करले बा ।

"लैङ्गिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहार: समृद्धिके आधार"

एक कट्ठामे बाह्र कुन्टल आलु

कञ्चनपुर, ३ चैत । शुक्लाफाँटा नगरपालिका–७, पिताम्बरके दलबहादुर चौधरी एक कट्ठा जग्गामे १२ क्विन्टल आलु फरैले बटैं । उन्नत जातके आलुखेती कैके चौधरी कम जग्गामे धेर आलु फरैले बटैं । पहिलचो उहाँ 'कोमल कार्प' नामक जातके आलु खेती करले बटैं । कम क्षेत्रफलमे धेर आलु फरल देखके चौधरी दंग परल बटैं ।

"आलुसम्बन्धी तालिम लेहेबेर धेर फरना आलुके नाम सुन्ले रहुँ," चौधरी कलैं, "लगाइलपाछे कैसिन फरि कहिके परीक्षणके रूपमे काठमाडौंसे बिउ नान्के लगैना, कलेसे जस्टे फरल बा ।" पाँचप्रति दानाके दरसे आठ किलो आलु बारीमे लगाइल ओकर उत्पादन १२ क्विन्टल हुइल उहाँ बटैलैं ।

पहिल पुस्ताके आलुके बिउ रहल ओरसे उत्पादन हुइल आलु उहाँ बिउके रूपमे ढैके पुनः लगैना योजना बा । उत्पादित आलुके दाना आधा किलोसे दुई किलोसमके रहल बा । यी आलु कम क्षेत्रफलमे धेर फरना, भारी फल लग्ना, खैनामे स्वादिलो रहल उहाँ बटैलैं । अगहन दोसर साता लगाइल आलु फागुनके पहिल साता कोरल चौधरीके कहाइ बा ।

चौधरी जिल्लाके शीत भण्डार गृह नैहोके बाह्य क्षेत्रमे लैजाके भण्डारण करना तयारी करले बटैं । "घरमे ढरलेसे सरके बिग्रठ," उहाँ कलैं, "शीत भण्डारमे ढरे परठ, जिल्लामे एक ठो किल निजी क्षेत्रसे सञ्चालन हुइटि रहल शीत भण्डार गृह बन्द हुइलपाछे भण्डारण करना समस्या हुइल ओरसे बाह्य क्षेत्रमे लैजाइपरना बाध्यता बा ।"

तीन दशकसे चौधरी व्यावसायिक आलु खेतीमे संलग्न बटैं । उ अवधिमे एघार प्रजातिके आलु लगाके हेरल उल्लेख करटि उहाँ अत्रा ढेर फरना आलुके पहिलचो खेती करल बटैलैं ।

अन्य जातके आलुके उत्पादन प्रतिकट्ठा पाँचसे सात क्विन्टलसम हुइना करल बा । चौधरी प्रतिवर्ष १२ कट्ठासे एक बिघा जग्गामे आलुखेती करठैं । उहाँ प्रतिवर्ष दुई सयसे तीन सय बोरा आलु उत्पादन करटिब टैं । आलु खेती स्याहार्न चौधरीके पूरे परिवार खटल बटैं । रासायनिक मल कम ओ गोबर मल अधिक डारल आलु खेती कैके ढेर उत्पादन लेहे सेक्ना उहाँ बटैलैं ।

धनगढी उप-महानगरपालिका
८ नं. वडा कार्यालय
धनगढी, कैलाली
सुदूरपश्चिम प्रदेश, नेपाल

दररेट पेश गर्ने सूचना

प्रकाशित मितिः २०८१/१२/०४

१. धनगढी उप–महानगरपालिका वडा नं.–८ द्वारा विभिन्न फर्म/सप्लायर्ससंग तपसिल बमोजिमको कार्य गर्नका लागि दररेट पेश गर्न यो सूचना प्रकाशित गरिएको छ ।

क.स.	विवरण	जम्मा रकम (मू.अ.क.) समेत	दररेट पेश गर्ने अन्तिम मिति र स्थान	कैफियत
१.	धनगढी उप-महानगरपालिका-८ खानेपानी पाइप खरिद	२९९७७९.९६	२०८१/१२/१३ B.S. ०५:०० PM ध.उ.म.न.पा. ८ न. वडाको वडा कार्यालय	

२. दररेट पेश गर्ने फर्म/सप्लायर्सले अनिवार्य रुपमा दररेट पेश गर्ने व्यहोरा सम्बन्धको लिखित निवेदनसहित नवीकरण भएको फर्म/कम्पनी दर्ता प्रमाणपत्रको प्रतिलिपि, नविकरण भएको व्यवसाय/फर्म दर्ता प्रमाणपत्रको प्रतिलिपि, मु.अ.क. दर्ता प्रमाणपत्रको प्रतिलिपि र आ.व. २०८०/०८१ को करचुक्ता प्रमाणपत्रको प्रतिलिपि संगलग्न गरी पेश गर्नुपर्ने छ ।
३. उक्त कार्यका लागि आवश्यक BOQ र Specifications धनगढी उप–महानगरपालिका कार्यालयको वेबसाइट http//www.dhangadhimun.gov.np बाट पनि डाउनलोड गर्न सकिने छ ।
४. BOQ मा आफूले कबोल गरेको रकम अंक र अक्षरमा स्पस्ट बुझिने गरी लेखेर पेश गर्नुपर्ने छ । केरमेट भएको दररेट (BOQ) मूल्यांकनमा समाबेश गरिने छैन ।
५. सप्लाई गर्ने फर्म धनगढी उप–महानगरपालिकाको कार्यालयमा दर्ता भई नविकरण भएको हुनुपर्नेछ ।

हरि सिं साउँद
वडा सचिव

गौरीगंगा नगरपालिकाद्वारा जनहितमा जारी सन्देश

चिसोमा हुने स्वास्थ्य समस्याबाट बचौं

- चिसोबाट् बालबालिका र ज्येष्ठ नागरिक बढी प्रभावित हुने हुँदा उनीहरूको उचित स्याहार गरौं,
- चिसोमा वाहिर हिड्दा तातो र न्यानो कपडा लगाऔं,
- कोठामा हिटर वा आगो वाल्दा होसियारी अपनाऔं,
- चिसोवाट जोगिन दैनिक घाम ताप्ने गरौं,
- शारीरिक व्यायाम गरौं,
- जाडोबाट बच्ने नाममा धुम्रपान र मद्यमान नगरौं,
- रुघाखोकी, ज्वरो लगायतका स्वास्थ्य समस्या देखिएमा स्वास्थ्य परीक्षण गरौं र गराऔं ।

गौरीगंगा नगरपालिका
नगरकार्यपालिकाको कार्यालय
चौमाला, कैलाली

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

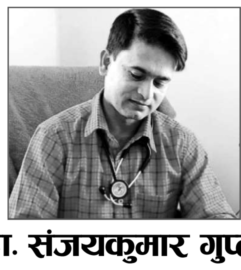

डा. संजयकुमार गुप्ता
एम.बि.बि.एस., एम.डि. (टि.यु.)
इन्टरनल मेडिसिन वरिष्ठ कन्सल्टेन्ट फिजिसियन (पेट, छाती, मुटु, कलेजो, मधुमेह (सुगर), प्रेसर, तथा थाईराईड रोग विशेषज्ञ
एन.एम.सी. नं.–१०५६४

डाक्टरद्वारा दिइने स्वास्थ्य सेवाहरू
- मुटु दुखेको, मुटु भारी जस्तो भएको, मुटुको धडकन बढेको ।
- सास लिन गाह्रो हुने, छाती दुख्ने, रूघाखोकी लागेको, खकारबाट रगत देखिने, लामो समयदेखि दमको समस्या भएको ।
- पेट दुख्ने, कोखा दुख्ने, मुखबाट रगत बग्ने ।
- अमिलो पानी आउने, ढ्याउ-ढ्याउ आउने, उल्टी हुने, पेट फुलेर खान मन नलाग्ने ।
- पिसाब पोल्ने, रातो पिसाब आउने, कम पिसाब हुने, पिसाब बन्द हुने, राति धेरै पटक पिसाब हुने, खुट्टा सुन्निने, पहेंलो पिसाब हुने)
- पेट फुल्ने, हात खुट्टा सुन्निने, पेटमा पानी जम्ने, जण्डिस हुने, खाना नरूच्ने, दम हुने ।
- धेरै मोटो हुने, निन्द्रा धेरै लाग्ने, मुटुको धडकन बढ्ने, आँखा बाहिर आउने, मान्छे एकदम पातलो हुने ।
- टाउको दुख्ने, चक्कर लाग्ने, हिँड्दाखेरि लडिबुडी हुने, निन्द्रा नलाग्ने, हिँड्दा खेरि दम हुने ।
- धेरै तिर्खा लाग्ने, धेरै पिसाब हुने, धेरै खान मन लाग्ने, हातखुट्टा झम-झम गर्ने ।
- सुगर, प्रेसर, थाइराइड रोगको उपचार तथा परामर्श ।
- ज्वरो सम्बन्धी सम्पूर्ण रोगको उपचार ।
- शरीरमा रगत कम हुने, अल्छी लाग्ने, शरीर सुनिने, थाकने ।
- बाथ रोग सम्बन्धी उपचार तथा परामर्श ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि
जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१–५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि–कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।
कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि–कण्डिसन
धनगढी–४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)
फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९